जलभराव बनी समस्या

बारिश : जेके रोड, भोपाल टॉकीज, काली बस्ती समेत कई क्षेत्रों में भरा पानी

शहर की जनता को आने-जाने में हो रही परेशानी

नालों की हुई सफाई की खुली पोल

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 22 जुलाई. मंगलवार को हुई बारिश से शहर के प्रमुख चौराहों मार्गो पर जलभराव हुआ. जिससे शहर की जनता को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा. वहीं निगम की बारिश पूर्व नालों की हुई सफाई की पोल खुल गई.

सुबह से हुई बारिश से जेके रोड तिराहा भोपाल टॉकीज, काली बस्ती, सुंदर नगर, शंकर नगर, गुड्डा नगर, उड़िया बस्ती सहित कई इलाकों में सड़कें पानी से लबालब हो गईं. सड़कों पर पानी भरने गड्ढे हो गए है. वाहनों को निकलने में परेशानी तो हुई साथ ही पैदल जनता का निकलना भी दूभर हो गया. इसी दौरान जलभराव के कारण कई वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए, जबकि निचली बस्तियों में घरों के बाहर तक पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.

राहत दलों को मौके पर भेजा

फायर अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि बारिश के दौरान भोपाल टॉकीज और काली बस्ती क्षेत्र से जलभराव की शिकायतें प्राप्त हुई थीं. सूचना मिलते ही राहत दलों को मौके पर भेजा गया. उन्होंने बताया कि फायर एवं आपदा प्रबंधन की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है. मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटे तक बारिश की संभावना जताई है, जिसके चलते प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है.

नाबालिग छात्रा के साथ किया दुष्कर्म

भोपाल. अरेरा हिल्स थाना इलाके में एक 15 साल की नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. नाबालिग के गर्भवती होने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान खुलासा हुआ. मामला सामने आने पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. आरोपी फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास में पुलिस जुटी है. जानकारी के मुताबिक पीड़िता एक स्कूल की छात्रा है. आरोपी शुभम ने बीते फरवरी में छात्रा को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. हाल ही में छात्रा को जब पेट दर्द की समस्या हुई तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे तो खुलासा हुआ.

कर्ज से परेशान शेफ ने फांसी लगाई

सुसाइड नोट में प्रताड़ना का लगाया आरोप

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 22 जुलाई. रातीबड़ थाना क्षेत्र में कथित रूप से कर्ज और वसूली के दबाव से परेशान एक 37 वर्षीय शेफ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें कर्ज देने वाले व्यक्ति और एक निजी फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान नीलबड़ स्थित बृजधाम कॉलोनी निवासी रामश्रवण पटेल के रूप में हुई है, जो कोलार रोड स्थित एक बंगले में शेफ का कार्य करता था. उसका शव मंगलवार देर रात कलियासोत डेम के समीप तेरा शटर क्षेत्र में एक पेड़ से फंदे पर लटका मिला. मौके से उसकी मोटरसाइकिल और पैंट की जेब से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ. परिजनों ने बताया कि रामश्रवण मंगलवार दोपहर काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा. सुसाइड नोट में लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी. पुलिस के अनुसार सुसाइड नोट में लिखा है कि मकान निर्माण के लिए उसने एक व्यक्ति से 3.70 लाख रुपये उधार लिए थे.

> रामश्रवण पटेल पूरी मूल राशि चुका चुका था, लेकिन इसके बावजूद उससे प्रतिदिन 10 हजार रुपये ब्याज की मांग की जा रही थी. नोट में एक निजी फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंटों द्वारा लगातार दबाव बनाए जाने का भी उल्लेख किया गया है. मृतक के भाई अरुण पटेल ने आरोप लगाया कि कर्ज चुकाने के लिए परिवार के गहने तक गिरवी रखने पड़े, लेकिन इसके बावजूद तकादेदार लगातार परेशान करते रहे. यह भी आरोप लगाया कि तीन दिन पहले रामश्रवण को चूनाभट्टी थाने बुलाकर कर्ज चुकाने का दबाव बनाया था.

50 लाख की शराब और चार वाहन जब्त

पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को भेजा जेल

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 22 जुलाई. जिला आबकारी नियंत्रक दल ने लगातार दो दिन तक कार्रवाई करते हुए शहर के चार स्थानों से 552.75 लीटर विदेशी-देशी अवैध शराब तथा चार वाहनों को जब्त किया है.

4 स्थानों पर दी गई थी दबिश

पहली कार्रवाई गांधी नगर की पंचवटी कॉलोनी में पार्क के पास स्थित राहुल यादव के घर की. यहां कार से 81 लीटर अवैध विदेशी शराब और कार जब्त की. राहुल को मौके से गिरफ्तार कर लिया. दूसरी कार्रवाई में त्रिलंगा स्थित विकास कुंज में राहुल यादव की पत्नी प्रीति के मकान की तलाशी ली गई. यहां से 411.75 लीटर उच्च श्रेणी की विदेशी शराब जब्त और तीन वाहनों को जब्त कर प्रीति यादव को गिरफ्तार किया. तीसरी कार्रवाई बुधवार को सुबह चंचल साहू के आवास पर हुई, जहां से 54 लीटर विदेशी शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया. चौथी कार्रवाई में बरखेड़ी क्षेत्र निवासी अनिकेत शाक्य को स्कूटी से देशी शराब की छह पेटियां ले जाते गिरफ्तार किया.

जब्त शराब की कीमत करीब 50 लाख रुपए है.पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पिछले 15 दिनों से इन चारों आरोपियों की निगरानी की जा रही थी. एक आरोपी राहुल यादव करीब एक महीने पहले ही जेल से छूट कर आया है.

ग्राम उत्कर्ष अभियान के काम इसी माह पूरे करें

भोपाल. संभागीय कार्यालय में बुधवार को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक हुई. संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने समीक्षा करते हुए बताया कि धरती आबा भारत सरकार की ओर से आदिवासी समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए शुरू किया गया बहुत बड़ा मिशन है. योजना का 100 प्रतिशत कार्य एक महीने में पूरा कर प्रदेश का प्रथम संभाग बनाएं. इसके लिए विशेष ड्राइव भी चलाएं. अभियान के तहत भोपाल में 1, विदिशा में 86, सीहोर में 80, रायसेन में 92 एवं राजगढ़ में 18 ग्रामों का चयन किया गया है.

छह खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापे कई पदार्थों के लिए सैंपल

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 22 जुलाई. राजधानी में खाद्य पदार्थों में मिलावट व खराब खाद्य पदार्थों के परोसे जाने की मिलने वाली शिकायतों को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा दल ने सख्ती शुरू कर दी है. बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के दलों ने आधा दर्जन प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की. इस दौरान डेयरियों पर कार्रवाई करके दूध,दही,पनीर, घी सहित अन्य पदार्थों के 20 सैंपल लिए.

सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया. जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. जोमैटो हाइपरप्योर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक्सपायर दूध और उससे बने उत्पादों के निस्तारण (डिस्पोजल) से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर जांच की गई. यह कंपनी ब्लिंकिट समेत अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और व्यावसायिक ग्राहकों को दूध व अन्य खाद्य सामग्री की सप्लाई करती है. जांच में पता चला कंपनी नियर-एक्सपायरी श्रेणी के उत्पादों को वापस तो लेती है, पर नष्ट किए गए पदार्थों का रिकॉर्ड पेश नहीं करती. यह कार्रवाई मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक के नेतृत्व में अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, साधना सक्सेना, अरुण कुमार पटेल, जगदीश प्रसाद और जगदीश विश्वकर्मा की टीम ने की.

कैंटीनों से भी लिए नमूने

दल ने बैरागढ़ व ईंटखेड़ी स्थित प्रमुख डेयरियों के अलावा प्राप्त शिकायतों के आधार पर जोमैटो हाइपरप्योर से अमूल ब्रांड के दूध व पनीर के पांच नमूनों के साथ-साथ राधा कृष्णा डेयरी, श्री कृष्णा डेयरी, सौरभ पॉइंट, महादेव गंगे डेयरी और बॉम्बे दूध डेयरी से दूध, पनीर, दही व घी के सैंपल एकत्रित कए गए. कैंटीन से भी घी, बेसन, नमक और इमली के सैंपल लिए गए.

न खुद नशा करें, न ही परिवार को करने दें

जागरुकता अभियान में पुलिस कमिश्नर ने कहा

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 22 जुलाई. 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को पीपुल्स यूनिवर्सिटी में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने किया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नशा एक ऐसी लत या बीमारी है, जो इंसान को शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी अपंग बना देती है. उन्होंने कहा कि जब कोई नशे का आदी हो जाता है तो, वह अपने रास्ते से भटक जाता है. मानसिक रूप से भी विकृत होने लगता है. सही गलत समझने में अक्षम हो जाता है और कई बार नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी, लूट जैसे अपराध का रास्ता चुन लेता है, जिससे उस पर निर्भर परिवार का जीवन भी संकट में पड़ जाता है. इसलिए संकल्प लें, न तो नशा करें और न ही परिजनों, रिश्तेदारों को नशा करने दें. कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की जिज्ञासा एवं सवालों का पुलिस आयुक्त ने जवाब दिया. उन्होंने हेल्पलाइन नंबर तथा अवैधानिक गतिविधियों की सूचना देने वाले नंबर भी साझा किए. सभी को स्वयं एवं परिवार को नशा से दूर रखने की शपथ दिलाई गई. इस मौके पर पुलिस उपायुक्त आदर्शकांत शुक्ला, डीन डॉ राजेश गौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संजीव पाठक, सहायक पुलिस उपायुक्त शशांक जैन, थाना प्रभारी मनोज पटवा एवं लगभग 650 विद्यार्थी एवं स्टॉफ मौजूद रहा.

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का पालन कराएं

भोपाल. संभागीय कार्यालय में बुधवार को समय सीमा कार्यों की समीक्षा बैठक हुई. बैठक में संभागायुक्त ने कर्मवीर शर्मा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का पालन कराने के लिए निर्देश दिए. बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग संयुक्त संचालक नीलेश दुबे ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के परिपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के अनुसार स्वच्छतम पोर्टल का विस्तार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक किया गया है. स्थानीय स्तर पर कचरे के प्रबंधन के लिए 4 श्रेणियों का अपशिष्ट प्रबंधन अनिवार्य किया गया है एवं नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है.

खेलते-खेलते घर की राह भटका मासूम

डायल-112 जवानों ने परिजन से मिलाया

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 22 जुलाई. छोला मंदिर क्षेत्र में खेलते-खेलते घर की राह भटके एक दो साल के मासूम बच्चे को डायल-112 जवानों ने परिजन से मिलाया.

बच्चे के गुम होने से उसके परिजन भी परेशान थे. पुलिस ने जब बच्चे को परिजनों से मिलाया तो उसने अपने घर के लोगों को पहचाना. पुलिस के मुताबिक एक गैस एजेंसी के पास बच्चा मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया था. डायल-112 स्टाफ आरक्षक हसीब खान और पायलेट पुष्पेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को संरक्षण में लिया. बच्चे लेकर आसपास परिजन की तलाश की और बच्चा उन्हें सौंप दिया.

ननि ने हटाया अतिक्रमण, दो ट्रक सामान जब्त

भोपाल. निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने जवाहर चौक और सरस्वती नगर क्षेत्र में अभियान चलाया. टीम ने कार्रवाई करते हुए सड़क के किनारों, फुटपाथों, रोड कॉरिडोर और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में अवैध रूप से लगे ठेले और हॉकर्स को पूरी तरह से हटा दिया. दो ट्रक सामान जब्त किया गया. इसमें अवैध रूप से लगाए गए ठेले, टेबल, काउंटर और हॉकर्स का अन्य सामान शामिल है.

इसके साथ ही अधिकारियों ने सभी स्थायी दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि वे अपनी तय सीमा के भीतर ही व्यवसाय करें., नहीं तो कार्रवाई होगी. कार्रवाई का नेतृत्व अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया और नासिर खान ने संयुक्त रूप से किया.

ट्रेन मैनेजर ने रेल यात्री का हाथ थामकर बचाई जान

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 22 जुलाई ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की सतर्कता और साहस एक यात्री की जान बच गई. जानकारी अनुसार संपर्क क्रांति से मनमाड़ से भोपाल के लिए सुशील पाटिल यात्रा कर रहे थे. इटारसी में ट्रेन रुकने पर वे पानी लेने के लिए उतरे.

लौटकर जब वे अपने कोच में पहुंचे तो पता चला कि उनका बैग चोरी हो गया. बैग में नकदी, अन्य सामान और टिकट था.. बैग की तलाश के दौरान ट्रेन चलने लगी. पाटिल चलती ट्रेन के साथ गिट्टियों पर दौड़ते हुए डिब्बे में चढ़ने का प्रयास करने लगे, इसी दौरान ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे ने तत्परता दिखाते हुए यात्री का हाथ पकड़कर उन्हें ऊपर खींच लिया. इस प्रयास में स्वयं ट्रेन मैनेजर भी कोच के भीतर गिर पड़े, लेकिन उन्होंने यात्री का हाथ नहीं छोड़ा और सुरक्षित अंदर खींच लिया. हालांकि इस दौरान यात्री के पैर में चोट आ गई.

आर्थिक तंगी के चलते बच्ची को ऑटो में छोड़ गए थे माता-पिता

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 22 जुलाई. जीआरपी भोपाल ने 10 जुलाई को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 की तरफ स्टैंड पर एक ऑटो में लावारिस मिली डेढ़ माह की बच्ची के माता-पिता को ढूंढ निकाला. बुधवार को जीआरपी ने 11 दिन के अंदर पुणे पहुंचे परिजनों की तलाश में सफलता हासिल की.

पुलिस अधीक्षक रेलवे अंकित जायसवाल ने बताया कि बिहार के रहने वाले बच्ची के माता-पिता पूना शहर में रहकर मजदूरी कर अपने बच्चों भरण पोषण करते है. उनके 5 बच्चे हैं. तीन 3 बच्चे अपनी दादी के साथ बिहार में ही रहते है. एक बेटी और डेढ़ माह की बच्ची माता-पिता के साथ रहती थी. डेढ़ माह की बच्ची को भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक ऑटो में छोड़कर सभी पुणे चले गए थे. जीआरपी की पूछताछ में आरोपी पिता ने बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान होकर बच्ची को ऑटो में छोड़ दिया था. बच्ची को भी उसकी दादी के पास माता-पिता छोड़ने बिहार जा रहे थे. इस दौरान उनकी एक और बेटी भी साथ ही थी. भोपाल स्टेशन उतरने पर उन्होंने अपना फैसला बदला और बच्ची को ऑटो में छोड़कर पुणे के लिए ट्रेन से रवाना हो गए. सोशल मीडिया और सभी जगह पुलिस की सक्रियता से जब बच्ची की फोटो और वीडियो के माध्यम से यह खबर पिता को मिली, तो उन्हें अपने किये पर भी पछतावा हुआ. बच्ची की मां मानसिक रुप से विक्षिप्त बताई गई है. आरोपी दंपति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

> पुलिस अधीक्षक रेलवे ने बताया कि कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई. बच्ची और उसके माता-पिता की फोटो भी पुणे रेलवे स्टेशन सहित स्थानों पर चस्पा किए गए थे. इसके साथ ही सोशल मीडिया पर उनकी तलाशी की मुहिम जारी रही. सीसीटीवी फुटेज में माता-पिता विंडो काउंटर से पूना स्टेशन का जनरल टिकट लेकर यात्रा पर पूना गए थे. बच्ची के माता-पिता और उसकी एक बहन वर्तमान में जीआरपी की अभिरक्षा में है.

अपराध हिंसक वारदातों ने बढ़ाई चिंता, एक साल में भोपाल में 4265 मामले दर्ज

भोपाल में बढ़ता किशोर अपराध बना गंभीर चुनौती

प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 22 जुलाई. मप्र में किशोर अपराध लगातार गंभीर सामाजिक और कानूनी चुनौती बनता जा रहा है. आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 से अब तक एक साल में भोपाल में किशोरों से जुड़े 4,265 मामले दर्ज किए गए हैं, जो कई बड़े महानगरों की तुलना में अधिक हैं.

वहीं,प्रदेश लंबे समय से कानून से संघर्षरत किशोरों के मामलों में देश में सबसे अधिक संख्या दर्ज करने वाले राज्यों में शामिल है. आंकड़े बताते हैं कि गिरफ्तार किए गए 76 प्रतिशत से अधिक किशोर 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के हैं. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से संबंधित न्यायिक रिपोर्टों में बिना निगरानी के सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, डिजिटल तकनीक की बढ़ती पहुंच, गरीबी, बेरोजगारी और पारिवारिक-सामाजिक परिस्थितियों को किशोर अपराध के प्रमुख कारणों में शामिल किया गया है. पिछले कुछ महीनों में भोपाल में सामने आई कई घटनाओं ने इस चिंता को और गहरा किया है. वर्ष 2025 के अंत में 17 वर्षीय विवाहित नाबालिग लड़की पर अपने पति की 36 बार चाकू मारकर हत्या करने और घटना के बाद वीडियो कॉल के जरिए शव अपने साथी को दिखाने का आरोप लगा था. इसके बाद फरवरी 2026 में शहर के एक स्नूकर क्लब में कक्षा 10 के दो 16 वर्षीय छात्रों ने मामूली रंजिश के चलते एक किशोर पर 30 सेकंड से भी कम समय में 27 बार चाकू से हमला कर दिया. हमले का वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किए जाने की भी बात सामने आई.इसी क्रम में जुलाई 2026 में भोपाल के बालक सुधार गृह में नाबालिगों के साथ मारपीट और यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया, जिसके बाद श्यामला हिल्स थाना पुलिस ने 11 नाबालिगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की. विशेषज्ञों का मानना है कि किशोर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल कड़ी कानूनी कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी. परिवार, विद्यालय, समाज, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, रोजगार के अवसर और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुनर्वास और सुधार की व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा.

> महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव एम.एल. मेहरा ने कहा कि किशोर अपराध से जुड़े मामलों में कानून के तहत समय-समय पर कार्रवाई की जाती है. ऐसे बच्चों को बाल सुधार गृह में रखकर उनके सुधार और पुनर्वास की प्रक्रिया अपनाई जाती है.उन्होंने कहा कि ऐसे किशोरों की लगातार निगरानी की जाती है तथा उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काउंसलिंग और अन्य सुधारात्मक कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं. उनका कहना है कि विभाग का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि बच्चों को मुख्यधारा में वापस लाना और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है.

बच्ची चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

भोपाल. जीआरपी ने बीना रेलवे स्टेशन से 8 महीने की बच्ची को चोरी करने वाली महिला को दो दिन में गिरफ्तार कर लिया. मासूम को उसके माता-पिता को सौंप दिया है. पुलिस अधीक्षक रेलवे अंकित जायसवाल ने बताया कि आरोपी महिला मूक बाधिर है.रेल्वे स्टेशन इटारसी के फुटओवर ब्रिज से आरोपी महिला के पास से अपहृत बच्ची को बरामद किया गया. सूखी सेवनियां निवासी बच्ची की मां सकीना ने 19 जुलाई को बच्ची के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी. मां ने बताया कि एक दिन पहले दिन वह अपनी ससुराल सूखी सेवनिया से बच्ची को लेकर मायके जबलपुर जा रही थी.भोपाल से ट्रेन से बीना आई. बीना स्टेशन से छोटी बजरिया गई, जहां खाना खाने के बाद फिर बीना के प्लेटफार्म नंबर 3 पर आकर लॉवी के पास रात में बच्ची को लेकर सो गई. सुबह उनकी नींद खुली तो बच्ची गायब थी.